विक्रित्रस्मित्रम्भित्रम्भित्रम्भित्रम्भित्रम्भित्रम्भित्रम्भित्रम्भित्रम्भित्रम्भित्रम्भित्रम्भित्रम्भित्रम्भ

র্বি-্দা	त्रह्में अवाषा स्थानिया विवाषा स्वाषा वाष्ट्रा
स्रु.मेज.य	लग्रायाश्चेत्र। हात्र <mark>हितायाः यात्र स्ति तहीत्याः क्ष्यः त्राची</mark>
র্বন্'বা	याःचरःयाःचर। यार्षेत्रःहःयादःधेत्रःयाठेयाःश्रेत्रःयाठेया <mark>ःचत्रेत्रःचेत्रःचेत्रःचेत्रःचेत्रःच</mark>
ह्ये.क्रिज.च	चुराव। र्वेन्'ह'ग्नान्'त्रवृत्वं'धेव।
র্বন্যা	षान्ने तह्र्य त्याया हिन्र रूप वी न्य हिन् रूप वी न्य र वि न्य वी न्य र वि न्य वी न्य र वि न्य वि न्य वि न्य व
<u>ਬ੍ਰି.</u> ਐਯ.ਹ	במ'קב'ه'במ'תַב'צו'פֿיף'ד'מישַב'במ'
র্বন্যা	त्यात्वया वित्रस्य वित्रम्य वित्र वित्र क्षात्वया विष्ठा क्षात्वया विष्ठा विष्ठा विष्ठा विष्ठा विष्ठा विष्ठा वि
ম্ব্র ক্রিন্স	क्रांबेर्चा स्ट्रिं के क्रिक्त स्ट्रिं त्या स्ट्रिं स
র্বন্'বা	ष्णः यथा नः र्यनः नन्य विषाः प <mark>्राधितः सः सेन</mark> ि छिनः सनः योः श्चितः यथाः से छिनः यो। से सिनः यो। स
ম্ব্র-দ্রীএ-বা	ट्टेर्स्ट्रिन्ट्रिन्ट्रिन्ट्रिन्ट्रिन्स्ट्
র্বস্'বা	ผาสิ เติราระาชาสะาสานาริรายพ
නි. එ ග.ට	८ते 'स' अ' व्रट 'रा' अ' ने प्रिन 'रेट्रा अ' वे 'कुय' प्रा' के स्था 'प्रेन 'रेट्रा व्या' प्रा' के स्था 'प्रेन 'रेट्रा व्या' प्रा' के स्था 'प्रेन 'रेट्रा व्या' प्रा' के स्था 'प्रा' के स' प्रेन 'रेट्रा के स' प्रा' के स' प्र' के स' प्रा' के स' प्र' के स'
র্বন্'বা	ष्यायम् ष्यात्रे । व्याप्तरार्मे । या प्रमार्भे । या प्रमार्भे । व्याप्त व्याप्त व्याप्त व्याप्त व्याप्त व्याप
ह्ये.क्रिज्ञ	८.८८.अह्८.४८.४.३१८.४८.४८.४८.१८.४८.१८.४८.१८.४८.१८.४८.४८.४८.४८.४८.४८.४८.४८.४८.४८.४८.४८.४८
র্বন্যা	तर्ने त्या में त्वे स्वा मेर् देर स्वर स्वर स्वर स्वर स्वर स्वर स्वर स्व
स्रु.मेल.या	तर्वातर्व नेत्रम् ही मुलाच अत्र र्वा वत्र क्रियाया है ह्यूत्र क्रिव र्वा व्या क्रियाया है हित्य क्रियाया है है हित्य क्रियाया है हित्य क्रियाया है है हित्य क्रियाया है हित्य क्रियाया है है हित्य क्रियाया है है है हित्य क्रियाया है
র্বন্যা	८.छि८.४८.वार्य्यः इ.अकूटी चंट.क्र्यक्यं व्यत्यं व्यव्यात्रः त्यं प्रत्यं क्ष्यं व्यव्यात्रः व्यव्यात्रः

$\mathcal{I}_{ }$	तर्हेव 'यग्राह' ग्'रे' अर्केट 'ग्री' थॅट 'रेट्।
3	तह्वं त्यवायास्ट राया वया नेत्
3	विंट मी शुट राया व्यावार्क्य अट र्रे पेंट्र सेट्र प्रवा
	षा वै 'न्युव 'यि भेन्य 'या या व्याया विषा या निष्य या निष्य स्
41	तहें त्र विषय विषय के कि
(3)	तर्हेव :वर्गवाया ग्री:पाया विद्यासी स्थापन
2)	तहेंव सर्वारा तरहेंव म्यू या किंद सेंद्र
4	वार्रायं हा मां टार्रा कवाया व वाटा त्र्य या प्रिं सेट्।

What Tea Would You Like to Have?

র্বদ্'ঘ	व्य-स्याक्ष प्रमा वित्यन्ति । वित्यनि । वित्यन्ति । वित्यनि । वित्यन्ति । वित्यनि । वित्यन्ति । वित्य
ম্ব্র-মীন্স-বা	शुग्वा व्यवस्य वित्र वि
র্বদ্যা	वर्के.क्ट.ब.चटे.त्.लुबी ब.र.जवाबी वार्चजाहात्वा.र.अक्ट्र.ब त्यंटाहाअक्ट्र.व ह.बटर.क्र्
<u> </u>	खार्षण अपि श्वाया के पार्वा प्राप्त प्र प्राप्त प्र प्राप्त प्र प्राप्त प्राप्त प्र प्राप्त प्र प्राप्त प्र प्राप्त प्र प्राप्त प्र प्राप्त प
র্বদ্যা	वित्र क्षे.वी.त्र प्रती त्या क्षे.क्ष.क्ष.क्ष.क्ष.क्ष.क्ष.क्ष.क्ष.वी.वी.क्षे.क्षे.क्षे.क्षे.क्षे.क्षे.क्षे.क्षे
ম্ব্র.ফ্রীন্স.বা	ॻॖऀॱॲ॔॔॔॔ॱऄॱॴढ़ऀॺॱॴ॒ॱ॔ढ़॓ॱख़ॱॸ॓॔ऻॖ सदेॱॸऄॕढ़ऀॱख़ॖॸॱॸढ़ <mark>ॱख़ॖॵॺॱॺॖॕ॔॔॔ॸऄ</mark> ॱॲ॔॔ॸॱऄॱॲ॔॔ॸ॔ऒॖॱॲ॔॔ॸॱॸ॓॔ऻॖ ॾॴॱॴढ़ऀॺॱॴॸॱॸढ़॓ॱख़ॖॸॱय़ॱॸॸॱऒॾॕ॒॔॔ॸॱॻॖऀॱॲ॔॔ॸॱॸ॓॔ढ़ <mark>ॱख़ॖॵॺॱॺॕॖ॔॔॔॔ॸऄऀ</mark> ॱॲ॔ॸॱऄ॔ॱ॔ॕ॔॔ॸ॔ ढ़ॵॱॴढ़ऀॺॱॴॸॱॸढ़॓ॱख़ॖॸॱय़ॱॺॱॲ॔ॸ॔ॱऄऀॱॱऄ॔ॸॱॸढ़ <mark>ऀॱख़ॖॵॺॱॺॕॖ॔॔॔॔ॸ</mark> ॱऄॱॾॕ॔ॸ॔ॱॻॖऀॱॲ॔ॸॱॸ॓॔ऻ॔
র্বিদ্রা	अ'यम् अ'वे'र्विट'र्के'कट'र्भ'न्कुन् <mark>कंर'रेट्'प्म</mark>
स्रु:कुल:ठा	८ १ १ ४ १ ४ १ ४ १ ४ १ ४ १ ४ १ ४ १ ४ १ ४
র্বদ্যা	ब्रिट्र है। विंट्र वी श्वर्ण मा वा रे रेट्र
ম্বি.মীজ.বা	(TE)
র্বদ্যা	निःसवः र्ह्मण्यः क्रेवः र्रें र्पेन् सेन्। अः वैः द्विन् स्राचीः श्ववः गुण्याः ने र्क्कः द्विन् स्राच्याः विवायः क्रियाः विवायः
ম্ব্র'ক্র্রুথ'ন	त्तुः स्नायाम् <mark>सामित्र्याम् व</mark> रः स्नाविषः निष्या विष्यः स्वायः स्वयः स
র্বন্'বা	ष्यायम् ज्ञमान् वित्रास्ता स्वाप्ता स्वापता स्वाप्ता स्वाप्ता स्वाप्ता स्वापता स्वापत स्वाप्ता स्वाप्त
ह्ये.मैक.च	यार्ष्ण्याकाः भेरत्र । वित्र क्षें स्वीप्त क्षेत्र कष्ट क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र कष्ट क्षेत्र क्षेत्र कष्ट क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र कष्ट क्षेत्र क्षेत्र कष्ट क्षेत्र क्षेत्र कष्ट कष्ट कष्ट कष्ट कष्ट कष्ट कष्ट कष्ट
র্বদ্যা	ष्यःचन्या ष्यःत्रे स्त्रूरःचेत्रःचन्यान्या ष्ठित् रस्टःवर्ते त्यः र्त्तेतः र्ह्वेतः या रे या रे खेतः ग्रीः व्य

월· 화 애·디	पडिया'र्चर'धिया'रेट्। अपने यहिया'न्य हें संस्ता है स्ता है संस्ता है स्ता है संस्ता है संस्ता है संस्ता है संस्ता है संस्ता है संस्ता है से स्ता है संस्ता है से स्ता है से से स्ता है से स्ता है से स्ता है से स्ता है से
র্বন্'বা	षावि । ब्रिट्-र्राचा रे व्यव्या कु वार त्या र्येट् । ध्रिया प्टा व्यट क्रिया र्ड्डिट् <mark>यार ।</mark> स्ति प्रा ध्रिया
यु कुष प	য়ःऍटबःचर्म्यःक्षुरःच <mark>ाचेत्वर्द्र्तःऍत्।</mark> वातःधेवःचेरःवःव्यः सःचेःक्षंचेःकुवःवायेववःवःक्ष्रः इत्राचःत्व्यायरःतःक्ष्रःकुरःच <mark>ाचेत्वर्द्र्तःऍत्।</mark> वातःधेवःचेरःवःवःवःवःवःवःवःवःवःवःवःवःवःवःवःवःवःवःव
র্বন্'বা	तर्ने'न्ये'ध्या'र्ये'रेन्'चब्या ह्याब्र'हे'याव्रम्' चगाव'र्द्भव'के।
ষ্ট্র-ক্রীন্সন্ম	र्चर्'धेषा'त्र व्हर्' <mark>षाहेर बच'र्क्</mark> षेद्वा'र्थर् रेत्।
র্বন্'বা	यवायाः स्ट्रिन् न्युः कः संख्राकेन्निन्। मन्युं कवायायः क्रयायायः स्वरमीः यान्ये
ম্ব্র-ক্রিঅ'বা	यग्रार्थे। श्वायाः के यात्र ८ ।

<i>7</i> 1	ब्रू र त्येत्र त्यवाषा या से स्वर्केत् ग्री र्थेत् सेत्।
3	শ্'ই'ন্ড্ৰম'ৰ্মা
3	र्विट वी वट से र्कट साम सन्मान्त्र प्रिट सेट राम
	विट वी के के कट राज मुन कर रेट राजा
41	ष्ठा-लयावाराणीः लबागायाः से सेन्।
(3)	विट वी वट की वट लेवां वा वा खा खा वेंट किया वा दें हिट लेंट सेटा
2)	विंट वी वट की थी शृक्षावट ल अट दें तर्वे वी र्थेट रेट रेषा
4	ब्रूर लेव लगवा ग्री दहेंव ब्रू गारे गारे रेप
C	विंट र्चेट सेट सेंट अया वी ट्रियम एंप्य या से सेटी
701	र्चन् धिया निम्बद्धा क्षा यान तिन् वा विकास व
ı	1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1